

&gt;

Title: Regarding attacks on political leaders and workers in West Bengal.

**श्री दिलीप घोष (मेदीनिपुर) :** अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद ।

मैं एक संगीन विषय पर आपकी अनुमति से सदन और गृह मंत्रालय की दृष्टि आकर्षित करना चाहता हूँ । इस महान सदन के सदस्य हमारे साथी, बैरकपुर से एमपी, श्री अर्जुन सिंह मेरे बगल में बैठे हैं, इन पर बार-बार जानलेवा हमला हो रहा है ।

अध्यक्ष महोदय, जिस प्रदेश में एक एमपी की जान-माल सुरक्षित नहीं है, वहाँ कानून व्यवस्था क्या है, यह हम समझ सकते हैं । इस चुनाव के समय हमारे 10 एमपी कैंडिडेट्स के ऊपर हमला हुआ, जिनमें मैं भी हूँ । ... (व्यवधान) हमारे असम के माननीय मंत्री जी बिस्वा शर्मा जी आए थे, उनके ऊपर भी हमला हुआ । ... (व्यवधान) हमारे मंत्री बाबुल सुप्रियो जी के ऊपर आक्रमण हुआ । ... (व्यवधान) आपने उसकी वीडियो देखी है । ... (व्यवधान) रूपा गांगुली के बाल पकड़कर रास्ते में घसीट-घसीट कर मारा गया है । ... (व्यवधान) ये कोई सामान्य लोग नहीं हैं । ... (व्यवधान) ये लोग दुनिया में मशहूर कलाकार हैं । ... (व्यवधान) हमारे 158 कार्यकर्ता घायल हैं, हॉस्पिटल में हैं । ... (व्यवधान) सैकड़ों कार्यकर्ताओं को गांजा केस बनाकर जेल में डाला गया है । ... (व्यवधान)

महोदय, इस साजिश में वहाँ की सरकार और पुलिस सम्मिलित है । ... (व्यवधान) यह संगीन मामला है । ... (व्यवधान) इस पर ध्यान दिया जाए । ... (व्यवधान) विरोधियों को गांजा केस बनाकर जेल में डाला जा रहा है । ... (व्यवधान) इसलिए, मैं आपके माध्यम से निवेदन करता हूँ कि इस विषय पर विशेष ध्यान दिया जाए । ... (व्यवधान) वहाँ की सरकार के ऊपर अंकुश रखा जाए । ... (व्यवधान) वहाँ के लोगों का जान-माल सुरक्षित नहीं है । ... (व्यवधान) रास्ते में सरेआम गोली चल रही है । ... (व्यवधान) वहाँ पर इनकी हिफाज़त के

लिए जो लोग आए, उन पर गोली चलाई गई, जिससे दो लोग मारे गए । ...  
(व्यवधान) वहां एक सेंट्रल टीम भी गई है । ... (व्यवधान) सारे देश में हिंसा  
समाप्त हो गई है । ... (व्यवधान) महोदय, कल उनके घर पर तलाशी लेने के  
लिए फोर्स गई थी । ... (व्यवधान) धन्यवाद । ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल एवं डॉ. मनोज राजोरिया को श्री  
दिलीप घोष द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की  
जाती है ।

सभा की कार्यवाही दो बजकर तीस मिनट तक के लिए स्थगित की जाती है  
।

**13.31 hrs**

*The Lok Sabha then adjourned till Thirty  
Minutes past Fourteen of the Clock.*

**14.32 hrs**

*The Lok Sabha re-assembled after Lunch  
at Thirty-Two Minutes past Fourteen of the Clock.*

*(Shri A. Raja in the Chair)*

**MATTERS UNDER RULE 377\***

**HON. CHAIRPERSON** : Hon. Members, the Matters under Rule 377 shall be laid on the Table of the House. Members who have been permitted to raise matters under Rule 377 today and are desirous of laying them may personally hand over text of the matter at the Table of the House within 20 minutes. Only those matters shall be treated as laid for which text of the matter has been received at the Table within the stipulated time. The rest will be treated as lapsed.